CASE STUDY

अपना स्वास्थ्य, अपनी पहल

नवाखेडा पंचायत
बांसवाडा ब्लॉक
बांसवाडा जिला

2017/No. 03

उपसरपंच जागरुक हुई तो ग्राम पंचायत बदल गई

Knowledge. Voice. Democracy.
PRIA

अपने पंचायत में हुए बदलावों को व्यक्त करते उपसरपंच

Azim Premji Philanthropic Initiatives

dasra

वागड़ क्षेत्र का बांसवाडा जिला प्राकृतिक संसाधनों के मामले में तो काफी समृद है, लेकिन आर्थिक तौर पर इसका नाम देश के अत्यधिक गरीब जिलों की सूचि में शामिल है। इसे राजस्थान का चेरापूंजी भी कहा जाता है।

यहाँ का मुख्य आकर्षण माही नदी है, जो मध्यप्रदेश से होती हुई बांसवाडा के माही बांध तक आती है ,माही नदी बांसवाडा की जीवन वाहिनी है। जिले में मुख्यतः वागडी भाषा बोली जाती है। जिले का मुख्यालय बांसवाडा शहर है।

प्रिया वर्तमान में बांसवाडा के 2 ब्लॉक (बांसवाडा ,तलवाडा) ,में मातृ शिशु–स्वास्थ्य को बेहतर करने के प्रयास के लिए एक कार्यक्रम चला रही है । इस कार्यक्रम के लक्ष्यों में सरकारी सुविधाओ तक आम लोगो की पहुंच बढ़ाना ,स्थानिय संस्थागत ढांचे जैसे की ग्राम पंचायत ग्रामीण स्वास्थ्य अपने पंचायत में हुए बदलावों को व्यक्त करते उपसरपंच ,स्वच्छता पेयजल एवं पोशण समिति (VHSWNC) को क्रियाशील बनाना , ग्राम पंचायत की सामाजिक न्याय समिति को सक्रिय करना , प्रत्येक गर्भवती व धात्री महिला का पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करना शामिल है। इस कार्यक्रम के सफलता पूर्वक संचालन के लिए प्रिया ने स्थानीय लोगो को प्रशिक्षण (स्वयंसेवक व पंचायत प्रतिनिधियों को) देने के साथ ही स्थानीय युवकों और युवतियों को एनिमेटर के तौर पर कार्यक्रम के संचालन का हिस्सा बनाया है।

बांसवाडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत नवाखेडा बांसवाडा मुख्यालय से 26 किलोमीटर की दुरी है। इस ग्राम पंचायत की जनसंख्या 4800 के लगभग है व गाँव में 3 राजस्व गाँव सहित 7 वार्ड है। गाँव में 3 आंगनबाड़ी केंद्र ,एक मिनी आंगनबाड़ी केंद्र है। तथा 2 माँबाड़ी केंद्र और एक उपस्वास्थ्य केंद्र है। यहाँ पर अनुसूचित जनजाति के लोगो का निवास अन्य जातियों से अधिक है।

अनुसूचित जनजातियों में पारगी व डिन्डोर उप जनजाति के लोगो का बहुमूल्य है। नवाखेडा में 10वी कक्षा तक सरकारी विद्यालय है। 10 वी से आगे की शिक्षा के लिए यहाँ के नवयुवक बांसवाडा शहर में जाते है। यहाँ के अधिकांश लोगो का व्यवसाय कृषि व मजदूरी है।

प्रिया के हस्तक्षेप से पहले यहाँ पंचायत प्रतिनिधियों का आंगनबाड़ी केन्द्रों और उपस्वास्थ्य केन्द्रों से कोई संबंध नही था। उन्हें ये जानकारी नही थी की इन केन्द्रों की देखरेख व निगरानी उनकी जिम्मेदारी है। पंचायत प्रतिनिधि गाँव में बाल विवाह जैसी कुरीतियों को रोकने में भी अपनी भूमिका नही समझते थे इसलिए ऐसी भूमिकाये निभाने का प्रश्न ही नहीं उठाता। गाँव में कई अन्धविश्वासों के कारण गर्भवती व धात्री महिलाओ का पूर्ण टीकाकरण नही होता था। प्रिया ने बांसवाडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत नवाखेडा में पंचायत बैठकों ,ग्राम सभाओं के माध्यम से पंचायत प्रतिनिधियों ,स्वास्थ्य कर्मियों और आंगनबाड़ी कर्मियों एवं समुदाय को उनकी विभिन्न जिम्मेदारियों के बारे जागरूकता बढ़ायी।

पंचायत प्रतिनिधियों को ग्रामीण स्वास्थ्य ,स्वच्छता एवं पेयजल एवं पोषण समिति के बारे में जानकारी दी। कई पंचायत प्रतिनिधि (VHSWNC) के सदस्य है। जब पंचायत बैठको ,ग्राम सभाओं के माध्यम से प्रिया ने VHSWNC सामाजिक न्याय समिति , उपस्वास्थ्य केंद्र , आंगनबाड़ी केन्द्रों की सुविधाओं के बारे में एवं इनकी वास्तविक कार्य प्रणाली के बारे में बताया तो नवाखेडा के उपसरपंच तौलाराम कटारा ने अपनी पंचायत के प्रति भूमिकाओं के बारे में सोचा , फिर वह प्रिया के बांसवाडा कार्यालय में आवश्यक मार्गदर्शन एवं अपनी भूमिकाओं की जानकारी के लिए आने जाने लगे।

प्रिया के बांसवाडा कार्यालय से उन्हे उनके कार्य के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिए गए। प्रिया और तौलाराम कटारा के बीच तालमेल बना है। प्रिया द्वारा प्रशिक्षण और मार्गदर्शन का तौलाराम कटारा पर काफी गहरा प्रभाव पड़ा व उन्होंने उपसरपंच के रूप में अपनी भूमिका और अपनी जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करने का सोचा जब भी प्रिया के साथी बांसवाडा या देश के किसी और जगह के पंचायत प्रतिनिधि की सफलता की कहानी बताते ,तौलाराम को लगता था की उन्हें भी कुछ करना चाहिए और वो कर भी सकते है। समय के साथ तौलाराम में अच्छे परिवर्तन हुए और उन्होंने अपनी ग्राम पंचायत को भी अच्छी तरह बदल दिया है। अब तौलाराम नियमित रूप से आंगनबाड़ी केन्द्रों का दौरा करते है। वहाँ की सुविधाओ का नियमित मूल्याकंन करते है व अगर किसी सुविधा की आवश्यकता हो तो उसे पंचायत या समुदाय सहयोग से पूरा करने की कोशिश करते है। नवाखेडा के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर सभी सुविधाएँ होने के कारण वहां पर काफी संख्या में बच्चो की उपस्थिति रहती है। नन्हे बच्चों की किलकारियों से गूंजते इन केन्द्रों को देखकर तौलाराम के परिश्रम की सार्थकता नजर आती है। बच्चे खुश ,उनके अविभावक खुश और खुद तौलाराम भी खुश नजर आते है।.....

आंगनबाड़ी केन्द्रों में सुधार देखकर आंगनबाड़ी केंद्र की आशा सहयोगिनी संतोष कटारा का कहना है की " पहले हमारे आंगनबाड़ी केद्र पर कोई जनप्रतिनिधि नही आता था लेकिन जब से उपसरपंच जी हमारे केंद्र पर आने लगे है , हमे उनका मार्गदर्शन भी मिल रहा है , साथ ही हमारी कार्य प्रणाली में भी सुधार हुआ है। उप सरपंच जी के द्वारा सरपंच की मदद से समय समय पर सभी आंगनबाड़ीकेन्द्रों की मुलभुत आवश्यकताओ की पूर्ति भी की जा रही है। इससे समय पर बच्चो के लिए पोषाहार बनता है।" उपसरपंच और सरपंच के सहयोग से इन आंगनबाड़ी केन्द्रों को सरकारी सहयोग भी आसानी से मिल जाते है.उपसरपंच टीकाकरण दिवस पर उपस्वास्थ्य केंद्र पर जाकर केंद्र की सुविधाओ का जायजा भी लेते है। और उपस्वास्थ्य केंद्र की आवश्यकताओ के साथ सुविधाओ के बारे में भी जानकारी लेते है। ग्राम सभा की बैठकों में तथा सामान्य मेल –जोल के समय भी उपसरपंच समुदाय के लोगों को प्रेरित करते है, की वो अपने घर के बच्चो का टीकाकरण और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण सुनिश्चित कराएँ। एएनएम राधा रावत ने उपसरपंच के प्रयत्नों की सराहना करते हुए कहा कि " यहाँ के कई लोग पहले अपने बच्चो के अन्धविश्वासो के कारण टीका नही लगवाते थे। लेकिन उपसरपंच जी यहाँ के स्थानीय निवासी है और गाँव के सभी लोगो से परिचत है ,इसलिए उनके समझाने पर आज ग्राम पंचायत के लगभग सभी बच्चों को नियमित टीका लग रहा है। उप सरपंच नियमित रूप से VHSWNC की बैठकों में भी आते है जिससे इस समिति के कार्य में भी बहुत सुधार हुआ है। "

तौलाराम कटारा ने प्रिया के मार्गदर्शन से अपने गाँव में कई बाल विवाह को होने से भी रोका है। इनके प्रयासों से कई अनाथ व बेसहारा बच्चो को पालनहार योजना का लाभ मिला। वृद्ध जनों को पेंशन योजना का लाभ भी दिलाया। यहाँ के लोग कम पढ़े लिखने होने के कारण किसी भी काम के लिए (चाहे पेंशन ,पालनहार ,टीकाकरण , स्वच्छता आदि) तौलाराम कटारा को याद करते है। और तौलाराम हमेशा इन लोगो की मदद करते है। प्रिया के तौलाराम के प्रति किये प्रयास ने ग्राम पंचायत और अन्य संस्थओं में काफी बदलाव लाया है। विकास प्रक्रियाएं बेहतर नजर आती है। उपसरपंच के संवेदनशीलता और जानकारी ने काफी परिवर्तनों के बीज बोये है।

This case study was written by Seema Sharma, Assistant Program Officer for PRIA's "Reforming Local Governance For Responsive And Effective Service Deliveries In Selected Blocks Of Rajasthan" Project, in Partnership with Azim Premji Philanthropic Initiatives (APPI) and Dasra.